राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल

सम्पर्क सरिता

वर्ष–17 अंक–01 जनवरी 2016 से मार्च 2016

स्टार्टअप आंदोलन से उद्यमिता एवं भारतवर्ष का विकास

कार्यक्रम को संबोधित करते प्रो. आर.जी. चौकसे

युवा उद्यमियों को प्रोत्साहित करने और जमीनी स्तर पर उन्हें सुविधाएं जुटाने में सहायता करने के लिए केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'स्टार्ट अप इंडिया' का शुभारंभ दिनांक 16 जनवरी 2016 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा किया गया, जिसका लाभ देश के करोड़ों लोगों को मिलेगा। इस आंदोलन में अपना सहयोग देने हेतु एनआईटीटीटीआर, भोपाल द्वारा दिनांक 18 जनवरी, 2016 को एक परिचर्चा का आयोजन किया गया जिसमें विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों ने भाग लिया। निदेशक प्रो. डी.एस. करौलिया के अनुसार आज के युवाओं की मानसिक सोच रोजगार ढूंढने की है, अतः स्वयं का व्यवसाय करने की मनोवृत्ति को बढ़ाना आवश्यक है। प्रारंभ से ही स्वयं की सोच तथा निर्णय लेने की क्षमता का विकास करना आवश्यक है उन्होने प्रो.वेंकटेश शुक्ला, सिलिकॉन वेली का उदाहरण देते हुए युवाओं को स्वरोजगार की ओर सोचने, परिचर्चा करने तथा उपयुक्त आइडिया चुनकर स्टार्टअप की सुविधाओं का लाभ उठाते हुए आगे बढ़ने की प्रेरणा दी उन्होंने इंक्यूवेशन सेंटर तथा मुद्रा बैंक जैसी शासकीय मदद को लाभदायक बताया व कहा कि दो वर्ष तक कार्य करने के बाद यदि असफल रहते हैं तो कॉलेज कैंपस में पुनः बैठ सकते हैं। उनके अनुसार भारत में स्वरोजगार के असीमित अवसर हैं बस युवाओं को इस ओर कदम बढ़ाने की आवश्यकता है।

परिचर्चा के समन्वयक एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. आर.जी.चौकसे ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि वर्ष 2014 जनधन, वर्ष 2015 सामाजिक सुरक्षा के लिए जाना जाता है एवं वर्ष 2016 स्टार्टअप संस्कृति के लिए जाना जायेगा। उन्नीसवी सदी में उद्योगों का विकास हुआ, सरकार की नीति उद्योगो के प्रोत्साहन की थी। 1991 में जब देश में उदारीकरण, निजीकरण, वैश्वीकरण की नीति लागू हुई, इससे औद्योगिक विकास एवं सामान की गुणवत्ता में सुधार आया। 2015 के बाद नये उद्योगों एवं स्टार्टअप की ग्रोथ में उछाल आया। अब भारत सरकार का निर्णय है कि इंटरप्राइस अनुमति एवं क्लोजर की बाधाओं को दूर कर सहज बनाया जाए। नये उद्यमी को सेल्फ सर्टीफिकेशन के आधार पर अनुमति मिले।

परिचर्चा को अधिष्ठाता अकादमिक प्रो. व्ही. एच. राधाकृष्णन, अधिष्ठाता प्रशासनिक प्रो. आर. के. दीक्षित तथा अधिष्ठाता अनुसंधान एवं विकास प्रो.संजय अग्रवाल ने भी संबोधित किया। प्रो. निशिथ दुबे ने 'स्टार्टअप अनलेस बिज़नेस पोटेन्शियल' एवं प्रो. अतुल मिश्रा ने 'राष्ट्रीय उद्यमिता नीति' पर अपना उद्‌बोधन दिया। प्रतिभागियों ने अपने प्रश्न पूछे तथा उनकी समस्याओं का समाधान किया गया। अंत में प्रो. आर.पी. खम्बायत ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन प्रो. अतुल मिश्रा ने किया।

''भारतीय समाज में महिलाओं के अधिकार'' विषय पर व्याख्यान

महिला दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

संस्थान के राजीव गांधी सभागृह में दिनांक 8 मार्च 2016 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में "भारतीय समाज में महिलाओं के अधिकार" विषय पर विशेष व्याख्यान कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती ज्योति कुमारी, रिसर्च फेलो, भारतीय न्यायिक अकादमी, भोपाल द्वारा दिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती को माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन से किया गया। निदेशक प्रो. डी.एस. करौलिया ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए कहा कि महिला दिवस देश की अस्मिता का प्रतीक है। समाज के प्रत्येक पक्ष को महिला के प्रति सम्मान की भावना रखना चाहिए। डॉ. किरन सक्सेना, अध्यक्ष, महिला प्रकोष्ठ द्वारा महिला दिवस के उपलक्ष्य में जानकारी दी गई। डॉ. किरन सक्सेना ने महिला दिवस मनाने की शुरूआत कब हुई एवं वर्तमान में विश्व में सांख्यिकी आंकड़ों के आधार पर महिलाओं की स्थिति पर प्रकाश डाला एवं इसके साथ ही अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की थीम ''समानता के लिए प्रतिज्ञा'' के बारे में भी बताया। इस अवसर पर श्रीमती श्वेता मणी एवं श्रीमती रचना गुप्ता ने एक सुंदर गीत की प्रस्तुति दी। डॉ. आर.के. दीक्षित, अधिष्ठाता (प्रशासन), डॉ. व्ही.एच. राधाकृष्णन, अधिष्ठाता (शैक्षणिक), डॉ. ए.के. जैन, प्राध्यापक द्वारा महिला दिवस के उपलक्ष्य में अपने उद्‌बोधन में वर्तमान परिपेक्ष्य में महिला की भूमिका एवं समाज में उनके सम्मान को सुनिश्चित करने की बात कही। प्रो. अस्मिता खजांची, सचिव महिला प्रकोष्ठ ने मुख्य अतिथि का परिचय देते हुए कहा कि श्रीमती ज्योति कुमारी एक न्यायाधीश हैं तथा वे न्यायाधीशों के राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संगठन की सदस्या है एवं उन्होंने न्यायालय की प्रक्रियाओं के कंप्यूटरीकरण में पटना हाईकोर्ट एवं बिहार के सिविल कोर्ट में अपना योगदान दिया है। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती ज्योति कुमारी ने महिलाओं के प्रति कानून व्यवस्था के बारे में वर्तमान परिप्रेक्ष्य में समाज में महिलाओं के स्थान एवं अधिकारों आदि पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने न्यायाधीश के पद पर रहते हुए उनके सम्मुख आने वाले महिला प्रताड़ना से संबंधित प्रकरणों का उल्लेख करते हुए महिलाओं के साथ समाज में हो रहे अत्याचार पर खेद व्यक्त किया। उन्होंने घरेलू हिंसा, विवाहित महिलाओं के संपत्ति संबंधित अधिकार एवं कार्यस्थल पर प्रताड़ना से संबंधित कानूनों की जानकारी देते हुए कहा कि महिलाओं को यह जानकारी होना चाहिए। श्रीमती ज्योति कुमारी ने अंत में कहा कि महिलाओं को सौम्य आचरण रखना चाहिए। महिलाओं के सौम्य आचरण का कोई गलत फायदा न उठा पाए यह भी ध्यान में रखना चाहिए। निदेशक महोदय द्वारा संस्थान की ओर से मुख्य अतिथि को समृति चिन्ह भेंट किया गया। प्रो. अस्मिता खजांची द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

निटर, भोपाल का अकादमिक कैलेण्डर जारी

दिनांक 29 मार्च 2016 को निटर, भोपाल का वर्ष 2016–17 का अकादमिक कैलेण्डर जारी किया गया जिसका विमोचन संस्थान के निदेशक प्रो. डी.एस. करौलिया ने किया। उल्लेखनीय है कि आगामी वर्ष में निटर, भोपाल द्वारा एक सप्ताह के 182 प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा दो सप्ताह के 62 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। उक्त सभी प्रशिक्षण कार्यक्रम मांग आधारित हैं। इस अवसर पर प्रो. व्ही.एस. राधाकृष्णन, प्रो. पराग दुबे, प्रो. के. के. जैन एवं अन्य संकाय सदस्य उपस्थित थे।

"तकनीकी शिक्षा में मूल्य संवर्धित नवाचार" पर विशेष व्याख्यान

संकाय सदस्यों को संबोधित करते डॉ. श्रेष्ठा

शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग द्वारा संस्थान में दिनांक 2 मार्च 2016 को "तकनीकी शिक्षा पर मूल्य संवर्धित नवाचार" विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान के मुख्य अतिथि डॉ. प्रमोद बी. श्रेष्ठा थे। डॉ. श्रेष्ठा ने इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग त्रिभुवन यूर्निवसिटी, नेपाल में प्राध्यापक के रूप में अपनी सेवाएँ प्रदान की। विगत 40 वर्षों से डॉ. श्रेष्ठा, प्राध्यापक, प्रोजेक्ट समन्वयक, अन्तर्राष्ट्रीय परियोजना प्रमुख, विश्व बैंक एवं एशियन बैंक के राष्ट्रीय सलाहकार के रूप में अपनी भूमिका अदा करते आ रहे हैं। इसके साथ ही डॉ. श्रेष्ठा नेपाल, फिलिपींस, कोलम्बिया, श्रीलंका के इंजीनियरिंग एवं तकनीकी शिक्षा प्रणाली की उन्नति हेतु विभिन्न परियोजना में भी संलग्न हैं। संस्थान के निदेशक डॉ. डी.एस. करौलिया द्वारा व्याख्यान के मुख्य अतिथि डॉ. श्रेष्ठा का पुष्प गुच्छ से स्वागत किया गया। डॉ. करौलिया ने उपस्थित संकाय सदस्यों का स्वागत करते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि इस तरह के व्याख्यान का आयोजन संस्थान में होने से संस्थान लाभान्वित होता है तथा तकनीकी शिक्षा प्रणाली की उन्नति हेतु मार्गदर्शन प्राप्त होते हैं। डॉ. श्रेष्ठा ने अपने व्याख्यान में वर्तमान परिपेक्ष्य में उपलब्ध स्त्रोत तकनीकी शिक्षा प्रणाली के उन्नति में किस प्रकार सहायक हो सकते हैं इस व्यवस्था पर प्रकाश डालते हुए ग्लोबलाइज़ेशन विषय पर भी प्रकाश डाला। इसके साथ ही उन्होंने तकनीकी शिक्षा प्रणाली की उन्नति में राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल के योगदान की भी सराहना की। संस्थान के संकाय सदस्यों से बातचीत के दौरान डॉ. श्रेष्ठा ने डॉ. सरन को भी याद करते हुए उनके साथ उनके अनुभव को भी साझा किया। संस्थान के संकाय सदस्यों द्वारा इस व्याख्यान की सराहना की गयी। इस व्याख्यान के मुख्य समन्वयक डॉ. आर.पी.खम्बायत, विभागाध्यक्ष एवं प्राध्यापक, शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग थे। डॉ. आर.पी. खम्बायत द्वारा धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया।

म.प्र. के शिक्षकों के लिये इंडक्शन कार्यक्रमों का आयोजन

एनआईटीटीआर, भोपाल द्वारा म.प्र. राज्य के विभिन्न पॉलिटेक्निक संस्थानों में हाल ही में नियुक्त शिक्षकों हेतु विशेष इंडक्शन कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। एनआईटीटीआर, भोपाल द्वारा आयोजित आठ विशेष इंडक्शन कार्यक्रमों के प्रत्येक बैच में 40–40 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। इस प्रकार लगभग 320 शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जायेगा। इन प्रतिभागियों को तकनीकी शिक्षा की चुनौतियां, तकनीकी संस्थाओं में उनके उत्तरदायित्व, शिक्षण एवं सीखने के सिद्वांत, एनबीए एक्रीडिटेशन की प्रक्रिया एवं उनसे संबंधित दस्तावेजों का निर्माण, संचार कौशल, शिक्षण विधियां, शिक्षण कार्य योजना बनाना, विद्यार्थियों का मूल्यांकन, शैक्षणिक माध्यमों का विकास, गाईडेंस एवं काउंसलिंग, प्रयोगशाला प्रबंधन आदि महत्वपूर्ण विषयों पर गहन प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। इसके साथ ही इन प्रशिक्षणार्थियों द्वारा तैयार अपने व्याख्यान के प्रस्तुतिकरण की वीडियो रिकार्डिंग द्वारा स्वयं का मूल्यांकन भी किया जा रहा है। उक्त कार्यक्रमों के आयोजन में निटर, भोपाल के संकाय सदस्यों द्वारा महत्वपूर्ण योगदान दिया जा रहा है। मार्च माह तक 6 विशेष इन्डक्शन कार्यक्रमों का आयोजन किया जा चुका है।

निटर, भोपाल द्वारा एम.एस.बी.टी.ई. हेतु पाठ्यक्रम विकास कार्यक्रम प्रारंभ

निटर, भोपाल द्वारा एम.एस.बी.टी.ई. द्वारा संचालित किये जा रहे 25 विभिन्न डिप्लोमा इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों को नये सिरे से विकसित किया जा रहा है। इस हेतु निटर, भोपाल के संकाय सदस्यों द्वारा महाराष्ट्र के शिक्षकों के लिये आउटकम बेस्ड पाठ्यक्रम पर 03 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जा चुके हैं तथा आगामी शैक्षणिक सत्र में 20 कार्यशालाओं का भी आयोजन किया जायेगा। पाठ्यक्रम विकास हेतु उद्योगों से ग्रेजुएट सर्वे का कार्य पूर्ण हो चुका है।

प्रत्यायन पर तृतीय विश्व सम्मेलन (WOSA-2016), दिल्ली में संकाय सदस्यों की सहभागिता

तकनीकी शिक्षा में गुणवत्ता सुधार के लिए दिनांक 18–20 मार्च 2016 को दिल्ली, में प्रत्यायन पर तृतीय विश्व सम्मेलन (WOSA-2016) का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन की मुख्य अतिथि मानव संसाधन विकास मंत्री माननीय श्रीमती स्मृति जुबिन ईरानी थी। इसके अतिरिक्त एनबीए के चेयरमैन, एनबीए के सचिव, एआईसीटीई के चेयरमैन सहित भारतवर्ष तथा विदेशों से आए अनेक वक्ताओं ने कार्यक्रम में उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल के निदेशक डॉ. दशरथ सिंह करौलिया को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था। उनके साथ संस्थान के 12 संकाय सदस्य डॉ. व्ही.एच. राधाकृष्णन, प्रो. जोशुआ अर्नेस्ट, डॉ. राजेश दीक्षित, प्रो. आर.जी. चौकसे, डॉ. किरन सक्सेना, डॉ. बी.एल. गुप्ता, डॉ. अजय कुमार जैन, डॉ. शशिकांत गुप्ता, डॉ. संजय अग्रवाल, डॉ. अभिलाष ठाकुर, प्रो. अस्मिता खजांची, डॉ. अतुल मिश्रा ने भी भाग लिया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मानव संसाधन विकास मंत्री माननीय श्रीमती स्मृति जुबिन ईरानी ने अपने उद्बोधन में तकनीकी शिक्षा का महत्व बताते हुए कहा कि वर्तमान में तकनीकी शिक्षा प्रणाली एक कारखाने के रूप में कार्य कर रही है जबकि इसे शिक्षा के मंदिर के रूप में प्रतिष्ठित किया जाना चाहिए। श्रीमती ईरानी ने बताया कि मंत्रालय ने निर्णय लिया है कि तकनीकी शिक्षण संस्थाएँ उद्योग जगत से 20 प्रतिशत लोगों को संकाय के रूप में छात्रों के शैक्षणिक विकास हेतु आमंत्रित कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि इंजीनियरिंग महाविद्यालय के भवन आदि की संरचना को व्यावसायिक शिक्षा हेतु प्रयोग में लिया जाना चाहिए, जिससे कि तकनीकी शिक्षा का प्रचार प्रसार का प्रतिशत बढ़ता है। तकनीकी शिक्षा पर स्थानीय वातावरण का भी प्रभाव पड़ता है, अतः गुवाहाटी, गांधीनगर, भोपाल, कोलकाता आदि में नेक के रीजनल सेंटर स्थापित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि परिणाम आधारित तकनीकी शिक्षा में शिक्षा के विषय विशेषज्ञ के अतिरिक्त छात्र, अभिभावक एवं सभी नागरिकों को भी शामिल किया जाए ताकि छात्र तथा अभिभावक शिक्षा के पश्चात् व्यावसायिक जगत में इसके महत्व को समझ सकें। उन्होंने महिलाओं की पद स्थिति पर भी जोर देते हुए कहा कि आई.आई.टी. काउंसिल के सदस्य जैसे उच्च पदों में महिलाओं को स्थान मिलना चाहिए तथा ऐसी संस्थाओं को विशेष रूप से सराहा जाना चाहिए जहाँ महिलाओं एवं विकलांगों को अतिरिक्त सुविधाऐं एवं संसाधन प्रदान किए जाते हैं। उक्त सम्मेलन को अतिरिक्त सचिव (तकनीकी शिक्षा) श्री आर. सुब्रमण्यम, ए.आई.सी.टी.ई. के चेयरमैन प्रो. अनिल सहस्त्रबुद्धे एवं एन.बी.ए. के चेयरमैन प्रो. सुरेन्द्र प्रसाद ने भी संबोधित किया।

भारतीय रेलवे के प्रगत अनुरक्षण प्रौद्योगिकी केंद्र, ग्वालियर के निदेशक का संस्थान में भ्रमण

भारतीय रेलवे के प्रगत अनुरक्षण प्रौद्योगिकी केंद्र, ग्वालियर के निदेशक डॉ. पीयूष गुप्ता ने संस्थान का भ्रमण किया। उन्होंने संस्थान के इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग में जाकर वहाँ के संकाय सदस्यों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों से मुलाकात की। डॉ. गुप्ता ने इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग द्वारा बनाई गई फिल्मों और शैक्षणिक व्याख्यानों को देखा। डॉ. गुप्ता ने निटर, भोपाल द्वारा भारतीय रेलवे के लिये बनाई गई फिल्मों की प्रशंसा की और इच्छा प्रकट की कि भारतीय रेलवे का यह संस्थान निटर, भोपाल के सहयोग से कुछ फिल्मों एवं ई–कंटेंट का निर्माण करना चाहता है। डॉ. गुप्ता ने ई–कंटेंट को भी देखा और बताया कि ये संसाधन वर्तमान परिवेश के लिए बहुत उपयुक्त हैं। इंडियन रेलवे विभिन्न विषयों पर ऐसे शैक्षणिक संसाधन बनाने की योजना बना रहा है । डॉ. पीयूष गुप्ता ने निदेशक प्रो. डी.एस.करौलिया से मुलाकात कर संस्थान में उपलब्ध सुविधाओं की प्रशंसा की। इस अवसर पर इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग के प्रमुख प्रो. प्रभाकर सिंह, प्रो. एस.एस.केदार, प्रो. अस्मिता खजांची एवं प्रो. पी.के.पुरोहित उपस्थित थे।

कौशल विकास समय की मांग

भारत देश में युवाओं की आबादी को देखते हुए उनको हुनरमंद बनाना समय की मांग है जिससे आने वाले समय में वैश्विक मांग को पूरा किया जा सके। म.प्र. सरकार के कौशल विकास संचालनालय ने अपने तकनीकी शिक्षक एवं प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण देने हेतु निटर भोपाल से कुछ प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की मांग की थी। इस दिशा में निटर भोपाल ने वेब डिज़ाईनिंग एवं ग्राफिक्स, मल्टीमीडिया एवं एनीमेशन तथा केटिया बेसिक्स विषय पर कार्यक्रम आयोजित किये। संस्थान के निदेशक प्रो. डी.एस. करौलिया ने प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाणपत्र देते हुए कहा कि कौशल विकास समय की मांग है एवं आप देश के विकास हेतु कौशल विकास मिशन का हिस्सा बनने जा रहे हैं। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. आर.जी. चौकसे जी ने कहा कि कौशल विकास के प्रशिक्षण वैश्विक मानकों के आधार पर दिये जाने चाहिए। कौशल विकास संचालनालय के अतिरिक्त संचालक श्री गोविन्द अग्रवाल ने निटर के प्रशिक्षण कार्यक्रमों की सराहना की एवं भविष्य में कुछ और कार्यक्रमों के आयोजन हेतु आग्रह किया। उन्होने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण के उपरान्त युवाओं को शीघ्र ही रोजगार मिल जाता है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियो से कहा कि आप लोगों को इस प्रकार के प्रशिक्षण लेने हेतु सजग रहना चाहिए। इस अवसर पर प्रो. प्रभाकर सिंह, प्रो. संजय अग्रवाल, प्रो. एम.ए. रिज़वी, प्रो. एस.एस. केदार, प्रो. शरद प्रधान, प्रो. अस्मिता खजांची, प्रो. के. जेम्स मथाई एवं श्री एन.के. सोनी भी उपस्थित थे। इन समस्त कार्यक्रमों का संयोजन प्रो. निशिथ दुबे ने किया। प्रशिक्षणार्थियों ने इस कार्यक्रम को अपने लिये उपयोगी बताया।

बिरला विश्वकर्मा महाविद्यालय, आणंद में विजन, मिशन एवं पीईओ पर कार्यशाला

संस्थान के प्रबंधन विभाग द्वारा दिनांक 26–27 फरवरी 2016 को बिरला विश्वकर्मा महाविद्यालय में दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसका उद्घाटन बिरला विश्वकर्मा महाविद्यालय के ट्रस्ट सेक्रेटरी श्री जे.डी.पटेल ने किया। उन्होंने कहा कि बदलती परिस्थितियों में हमें अंगीकारी होना चाहिए एवं बदलाव के साथ आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि विजन इतना वृहद होना चाहिये कि इसके लिए कई नवाचारों की आवश्यकता पड़े। संस्था के प्राचार्य श्री एफ.एस.उमरीगर ने कहा कि संस्था को शुरू हुए 67 वर्ष हो चुके हैं एवं इसने विभिन्न क्षेत्रों हेतु नामी इंजीनियर्स दिये है। अब संस्था को आईआईटी के समकक्ष ले जाने की आवश्यकता है। इस कार्यशाला में विजनिंग पर संक्षिप्त प्रस्तुतिकरण किया गया एवं संस्था के प्रतिभागियों को विजन पर अपने सृजनशील विचार प्रस्तुत करने को कहा गया। संस्था के सभी वर्ग एवं स्तर के व्यक्तियों ने 200 से अधिक विचार दिये, जिनका विश्लेषण कर ड्रॉफ्ट विजन स्टेटमेंट तैयार किया गया जिस पर पुनः विचार प्राप्त कर इसे संशोधित किया गया। तत्पश्चात् संस्था स्तर पर आठ समूहों में स्वाट विश्लेषण किया गया एवं प्रस्तुतिकरण कर अंतिम रूप दिया गया। इसी प्रकार वेल्यू विश्लेषण कर विजन को प्राप्त करने के लिये आठ वेल्यूज तैयार की गई। सभी विभागों से भी उनके विजन कथन बनाने एवं स्वाट विश्लेषण करने हेतु कहा गया। तत्पश्चात् सभी इंजीनियरिंग प्रोग्राम के लिए पीइओ तैयार करवाये गये एवं चर्चा के माध्यम से इनमें सुधार लाने का फीडबैक दिया गया। संस्था को बताया गया कि विजन, मिशन, स्वाट, वेल्यू को सभी आंतरिक एवं बाह्य सरोकार समूह से सत्यापित कर अंतिम रूप प्रदान करें। कार्यशाला का समापन संस्था के प्राचार्य एफ.एस. उमरीगर द्वारा किया गया जिसमें उन्होंने एनआईटीटीटीआर, भोपाल से और कार्यशालाएं आयोजित करने को कहा ताकि वे स्वायत्तता का पूर्ण लाभ ले सकें। प्रतिभागियों ने कार्यशाला को सफल बताया। इस कार्यशाला का समन्वयन प्रो. बी.एल.गुप्ता ने किया एवं संकाय सदस्य के रूप प्रो. जोशुआ अर्नेस्ट ने सक्रिय योगदान दिया।

स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़ के कुलपति का संस्थान में आगमन

डॉ. एम.के. वर्मा से चर्चा करते प्रो. करौलिया

निटर, भोपाल में स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़ के कुलपति प्रो. एम.के. वर्मा ने भ्रमण किया। निटर, भोपाल के निदेशक डॉ. डी. एस.करौलिया ने प्रो. वर्मा का संस्थान में स्वागत किया तथा निटर की गतिविधियों से अवगत् कराया। इस बैठक में संस्थान के प्रो. व्ही.एच. राधाकृष्णन, प्रो. ए.के.जैन, प्रो. पीयूष वर्मा एवं प्रो. जोशुआ अर्नेस्ट भी उपस्थित थे। बैठक में कुलपति प्रो. वर्मा ने छत्तीसगढ़ के विभिन्न शासकीय व निजी संस्थानों में कार्यरत् शिक्षकों के प्रशिक्षण हेतु निटर, भोपाल से अनुरोध किया। उन्होंने निटर, भोपाल से छत्तीसगढ़ राज्य की तकनीकी संस्थाओं के लिये आउटकम बेस्ड पाठ्यचर्या विकास हेतु भी आग्रह किया। उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य की संस्थाओं के लिये एक्रीडिटेशन पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों की भी मांग की। छत्तीसगढ़ राज्य के समन्वयक प्रो. पीयूष वर्मा ने स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय में आउटकम बेस्ड पाठ्यचर्या पर अपना प्रस्तुतीकरण दिया जिसमें तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति, कुलसचिव एवं अधिकारियों ने भाग लिया।

अजा, अजजा, अपिव, पीडबल्यूडी एवं अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ का पुनर्गठन

संस्था में अजा/अजजा/अपिव/पीडबल्यूडी एवं अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ का पुर्नगठन किया गया जिसमें प्रो. आर.जी.चौकसे, प्राध्यापक एवं अधिष्ठाता (छात्र कल्याण) को अध्यक्ष एवं श्री डी.के.तिवारी, प्रशासकीय अधिकारी को सचिव बनाया गया है तथा प्रो. जोशुआ अर्नेस्ट, प्रो. ए.एस.वाल्के, प्रो. सूसन एस.मैथ्यू, श्री अली अहमद, श्री कुणाल वासनिक, श्री राहुल ढोके को सदस्य बनाया गया है।

संस्थान में आयोजित राजभाषा गतिविधियां

- राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 71वीं बैठक 25 फरवरी 2016 को संस्थान के कमेटी रूम में प्रो. डी.एस.करौलिया, निदेशक की अध्यक्षता में संपन्न हुई।
- संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति के तत्वाधान में ''कार्यशाला प्रबंधन एवं प्रशासकीय प्रक्रियाएं'' तथा ''रचनात्मक लेखन'' विषय पर कार्यशालाएं क्रमशः 20–21 जनवरी एवं 15–16 मार्च 2016 को आयोजित की गई, जिनके समन्वयक प्रो. आर.के.दीक्षित, श्री देवेन्द्र कुमार तिवारी, प्रो. प्रभाकर सिंह एवं प्रो. अस्मिता ए. खजांची थे।

रक्तदान शिविर का आयोजन

संस्थान में दिनाँक 05 मार्च, 2016 को ''रक्तदान शिविर'' का आयोजन किया गया था। इस शिविर में संस्थान के संकायगण, अधिकारीगण, कर्मचारीगण एवं छात्रों द्वारा रक्तदान किया गया। डॉ. एन. बैनर्जी ने रक्तदान से जुड़ी हुई भ्रांतियों पर प्रकाश डाला एवं रक्तदान को अच्छे स्वास्थ्य के लिये उपयोगी बताया। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. सुब्रत रॉय थे एवं डॉ. एन. बैनर्जी तथा डॉ. अभिलाष ठाकुर ने शिविर को सफल बनाने हेतु महत्वपूर्ण योगदान दिया।

No.	Title of the Programme	Duration	Venue
1.	Microcontroller and Applications	04-Jan-2016to08-Jan-2016	Bhopal
2.	People Management and Team Building	04-Jan-2016to08-Jan-2016	Bhopal
3.	Modeling for Energy Emission Policy Design	04-Jan-2016to08-Jan-2016	Bhopal
4.	Managerial Skills	04-Jan-2016to15-Jan-2016	Bhopal
5.	E-Content for Technical Education	04-Jan-2016to15-Jan-2016	Bhopal
6.	Quality Management Systems/ Quality Technology Tools	04-Jan-2016to08-Jan-2016	Bhopal
7.	Making Mathematics interesting in Engineering and Science	11-Jan-2016to22-Jan-2016	Bhopal
8.	EIA and EMP for Sustainable Development	11-Jan-2016to15-Jan-2016	Bhopal
9.	TOT on Vocational Education Development	11-Jan-2016to22-Jan-2016	Bhopal
10.	Induction Phase-I	11-Jan-2016to22-Jan-2016	Bhopal
11.	Use of Design Software in Mechanical Engineering and Allied Disciplines	11-Jan-2016to22-Jan-2016	Bhopal
12.	Induction Phase-I	11-Jan-2016to22-Jan-2016	Bhopal
13.	Cloud Computing	18-Jan-2016to22-Jan-2016	Bhopal
14.	Emerging trends & Nano-technology in Construction	18-Jan-2016to22-Jan-2016	Bhopal
15.	Strategic Leadership and Management of Change	18-Jan-2016to22-Jan-2016	Bhopal
16.	Induction Phase-I	25-Jan-2016to05-Feb-2016	Bhopal
17.	कार्यालय प्रबंधन एंव प्रशासकीय प्रक्रियाएँ	20-Jan-2016to21-Jan-2016	Bhopal
18.	Curriculum Revision Workshop	12-Jan-2016to14-Jan-2016	Pune
19.	Emerging trends in construction materials technology and management	04-Jan-2016to08-Jan-2016	Ahmedabad
20.	Developing Entrepreneurship Skills in Students	04-Jan-2016to08-Jan-2016	Ahmedabad
21.	Application of Civil Engineering Software in Design and Research	11-Jan-2016to15-Jan-2016	Ahmedabad
22.	Advanced Computer Knowledge for Supporting Staff	18-Jan-2016to22-Jan-2016	Goa
23.	Open Source Technologies	04-Jan-2016to08-Jan-2016	Pune
24.	Managing People and Stress at Work	04-Jan-2016to08-Jan-2016	Pune
25.	Management of Change and Innovation	18-Jan-2016to22-Jan-2016	Pune
26.	Quality Management Systems/ Quality Technology Tools	18-Jan-2016to22-Jan-2016	Pune
27.	ASP. NET with VB. NET	01-Feb-2016to05-Feb-2016	Bhopal
28.	Power System Protection	01-Feb-2016to05-Feb-2016	Bhopal
29.	Stress and Time Management	01-Feb-2016to05-Feb-2016	Bhopal
30.	Elements of Carbon Finance	01-Feb-2016to05-Feb-2016	Bhopal
31.	Development of Teaching Learning Resources using Digital Media	01-Feb-2016to12-Feb-2016	Bhopal
32.	Computer-aided Design (CAD) / Computer-aided Manufacturing (CAM)	01-Feb-2016to12-Feb-2016	Bhopal
33.	Quality Management Systems/ Quality Technology Tools (QMS/QT Tools) for Polytechnic Teachers	01-Feb-2016to05-Feb-2016	Bhopal
34.	Programming in HTML and XML	08-Feb-2016to12-Feb-2016	Bhopal
35.	Effective Communication Skills using Language Laboratory	08-Feb-2016to19-Feb-2016	Bhopal
36.	LINUX Server Administration	15-Feb-2016to19-Feb-2016	Bhopal
37.	Green Building Concept and Application	15-Feb-2016to19-Feb-2016	Bhopal
38.	TOT for Entrepreneurship Development	15-Feb-2016to19-Feb-2016	Bhopal
39.	Sustainable Development Practices and Institution Building	15-Feb-2016to19-Feb-2016	Bhopal
40.	Induction Phase-I	15-Feb-2016to26-Feb-2016	Bhopal
41.	Induction Phase-I	15-Feb-2016to26-Feb-2016	Bhopal
42.	Java Programming	29-Feb-2016to04-Mar-2016	Bhopal
43.	Application of Finite Element Method in Science and Engg.	29-Feb-2016to04-Mar-2016	Bhopal
44.	Management of Change and Innovation	29-Feb-2016to04-Mar-2016	Bhopal
45.	Workshop on CDTP Scheme for Submission of Correct Utilization	22-Feb-2016to23-Feb-2016	Bhopal
46.	Developing Vision and Mission of the Institute	26-Feb-2016to27-Feb-2016	BVM Anand, Gujarat
47.	Web Design and Graphics	22-Feb-2016to26-Feb-2016	Bhopal
48.	Multimedia/Animation	22-Feb-2016to26-Feb-2016	Bhopal
49.	Web Design and Graphics	29-Feb-2016to04-Mar-2016	Bhopal
50.	Induction Phase-I	22-Feb-2016to04-Mar-2016	Ahmedabad
51.	The Economy-Ecology Interface: Role of Sustainable Technologies and Practices in Collaboration with TERI	01-Feb-2016to05-Feb-2016	Goa
52.	Pharmacy In House Programme	22-Feb-2016to26-Feb-2016	Goa
53.	LABVIEW for Electrical & Electronics Engineering	07-Mar-2016to11-Mar-2016	Bhopal
54.	Institutional Strategies for Achieving PO Level Abilities	07-Mar-2016to11-Mar-2016	Bhopal
55.	Induction Phase-II	07-Mar-2016to18-Mar-2016	Bhopal
56.	Automation in Industries	07-Mar-2016to11-Mar-2016	Bhopal
57.	Work Ethics, Motivational Climate & Attitude development	07-Mar-2016to11-Mar-2016	Bhopal
58.	Nuclear Science and Nuclear Power Generation	14-Mar-2016to18-Mar-2016	Bhopal
59.	Transforming Technical Education for Excellence	14-Mar-2016to18-Mar-2016	Bhopal
60.	Induction Phase-I	14-Mar-2016to25-Mar-2016	Bhopal
61.	Application of STRUDS	15-Mar-2016to19-Mar-2016	Bhopal
62.	jpukRed ys[ku	15-Mar-2016to16-Mar-2016	Bhopal
63.	Faculty Development Programme	08-Mar-2016to12-Mar-2016	Aurangabad
64.	Catia Basic	07-Mar-2016to11-Mar-2016	Bhopal
65.	Multimedia and Animation	07-Mar-2016to11-Mar-2016	Bhopal
66.	Web Designing and Graphics	14-Mar-2016to18-Mar-2016	Bhopal
67.	Induction Phase-I	07-Mar-2016to18-Mar-2016	Ahmedabad
68.	Devising Leadership Development Plans (For Departmental Heads/ Section Heads)	15-Mar-2016to17-Mar-2016	Goa
69.	Induction Phase-II	07-Mar-2016to18-Mar-2016	Pune

आन्तरिक वितरण हेतु राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल द्वारा प्रकाशित एवं भंडारी ऑफसेट प्रिंटर्स द्वारा मुद्रित